MODEL QUESTIONS
FOR
MATRIC EXAMINATION
SUBJECT-HINDI
SET-3

(समय– 3घंटे 15 मिनट) (पूर्णांक–100)

प्रश्न 1.(अ) निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें। 6X2= 12

मानव जीवन अनेक जन्मों के संचित पुण्य कर्म से प्राप्त हुआ है। संतों ने इस जीवन को दुर्लभ बतलाया है। यही कारण है कि मनुष्य शरीर को सदैव पवित्र एवं कल्याणकारी कार्यों में लगाए रखने संबंधी हिदायत दी गई है। परोपकार, दान, कष्ट सहिष्णुता, सदाचरण, धर्म– पालन, ईश्वर–भक्ति, प्राणिमात्र के प्रति सेवा–भाव, ईमानदारी, मातृ–पितृ, गुरू–भक्ति एवं अतिथि–सत्कार आदि मानवोचित गुण कहे गए हैं। भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, महात्मा गाँधी, स्वामी विवेकानन्द आदि का उदाहरण हमें सदैव नित नई प्रेरणा एवं ऊर्जा से ओत–प्रोत कर देता है। हम मनुष्य हैं, तो मनुष्य गुण युक्त कर्म करने चाहिए तथा पशुताजन्य दुर्गुणों से अपने–आपको बचाए रखना चाहिए। मानव जीवन का परम लाभ यही है कि हम अपने संस्कार तथा सद्‌विचार दूषित न होने दें। आज जबकि हमारे चारों ओर सांप्रदायिक शक्तियाँ उठ खड़ी हो गई हैं, ऐसे विषम समय में हमें चाहिए कि हम पौराणिक आदर्शों एवं मान्यताओं को अंगीकार करना सीखें तथा सदगुणों को अपनाने पर बल दें।

(क) मानव जीवन को दुर्लभ क्यों बतलाया गया है ?
(ख) मानवोचित गुण किसे कहा गया है ?
(ग) मानव जीवन का परम लाभ क्या है ?
(घ) सदगुण एवं दुर्गुण से आप क्या समझते हैं ?
(ड.) भगवान श्रीराम एवं श्रीकृष्ण से हमें क्या प्रेरणा मिलती है ?
(च) हमें नए संस्कार कैसे प्राप्त हो सकते हैं ?

(ब) निम्नांकित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें। 4X2= 8

प्राचीनकाल में बोपदेव नामक एक बालक था। वह पढ़ने में बेहद कमजोर था। उसे अपना पाठ कभी भी ठीक से याद नहीं हो पाता था। इसलिए रोज उसे अपने गुरु से डाँट खानी पड़ती थी। धीरे–धीरे उसे अपने मूर्ख और मंदबुद्धि होने का विश्वास हो गया। कोई भी परीक्षा पास नहीं कर पाने के कारण गुरुजी ने उसे विद्यालय से निकाल दिया। वह बेहद उदास मन से अपने घर की ओर चल दिया। रास्ते में उसे जोरों की प्यास लगी। वह पानी पीने नजदीक के कुएँ पर गया। वहाँ पर उसने देखा कि गाँव की स्त्रियाँ जल भर रही हैं। अचानक उसकी नजर कुएँ के किनारे घिसे पत्थरों पर गई, जहाँ यत्र–तत्र गडढ़े जैसे बने दिख रहे थे। उसने उन स्त्रियों से उन निशानों के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि रस्सी के बार–बार आने–जाने से यह पत्थर घिस गया है और उन पर निशाना पड़ गए हैं। बोपदेव ने सोचा यदि कोमल रस्सी से कठोर पत्थर पर निशाना पड़ सकते हैं, तो नित्य और निरंतर अभ्यास से वह भी परीक्षा में सफल हो सकता है तथा उसकी अज्ञानता नष्ट हो सकती है। यह सोचकर उसने दृढ़ निश्चय किया और वापस गुरुजी के पास चला गया। उसने खूब मन लगाकर पढ़ना शुरू किया। वह कठोर परिश्रम करने लगा। अंततः वह परीक्षा में सफल हुआ। अब उसके गुरुजी भी उस पर बहुत प्रसन्न थे। निरंतर परिश्रम से वह आगे चलकर एक बहुत बड़ा विद्वान बना तथा संसार में जगत प्रसिद्ध हुआ।

(क) बोपदेव को गुरुजी से रोज क्यों डाँट खानी पड़ती थी ?
(ख) बोपदेव को कहाँ से सीख मिली ?
(ग) बोपदेव आगे चलकर कैसा व्यक्ति बन गया ?
(घ) उपर्युक्त गद्यांश का एक उचित शीर्षक दें।

प्रश्न 2. दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 250 शब्दों में किसी एक विषय पर निबंध लिखें। 10

(क) हमारा शारीरिक विकास
(i) भूमिका
(ii) बाल्यावस्था
(iii) किशोरावस्था
(iv) युवावस्था
(v) वृद्धावस्था
(vi) उपसंहार
(ख) भारतीय किसान
(i) भूमिका
(ii) भारत में किसानों की स्थिति
(iii) साधन का अभाव
(iv) अशिक्षा एवं बीमारी
(v) विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक समस्याएँ
(vi) उपसंहार
(ग) विद्या धन की महत्ता
(i) भूमिका
(ii) विद्याः एक अमूल्य धन
(iii) विद्या आवश्यक क्यों ?
(iv) विद्या अध्ययन से सुसंस्कार की प्राप्ति
(v) उपसंहार

प्रश्न 3. साक्षरता अभियान चलाने के लिए अपने प्रधानाध्यापक के पास एक पत्र लिखें। 5

अथवा

सड़कों की खराब स्थिति की ओर नगर निगम के अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराने हेतु दैनिक जागरण पत्र के संपादक को एक पत्र लिखें।

प्रश्न 4. पदबंध और उपवाक्य में अंतर स्पष्ट करें। 5

अथवा,

वाच्य किसे कहते हैं ? इनके भेदों को सोदाहरण लिखें।

प्रश्न 5. रिक्त स्थानों को भरें। 5X1= 5

(क) पीताम्बर ....समास है।
(ख) सुमंत में ....उपसर्ग है।
(ग) नीरज का संधि–विच्छेद ....होगा।
(घ) पुरातन का विलोम ....होगा।
(ड.) जो शिव का उपासक है उसे ....कहेंगे।

प्रश्न 6. निम्नांकित वाक्यों को शुद्ध करें। 5X1= 5

(क) उन्होंने हाईस्कूल की शिक्षा पाया।
(ख) काशी संस्कृति का पाठशाला है।
(ग) नाखून क्यों बढ़ती है ?
(घ) आपका रूचि जीव–जन्तुओं में है।
(ड.) हमारी शिक्षक हमसे अनेकों प्रश्न पूछते हैं।

प्रश्न 7. स्तम्भ 'अ' और 'ब' का सही मिलान करें। 6X1= 6

अ	ब
(क) आविन्यों	(I) जीवनानंद दास
(ख) जनतंत्र का जन्म	(II) स0 ही0 वात्स्यायन अज्ञेय
(ग) लौटकर आऊँगा फिर	(III) अशोक वाजपेयी
(घ) हिरोशिमा	(IV) यतीन्द्र मिश्र
(ड.) बहादुर	(V) अमरकांत
(च) नौबतखाने में इबादत	(VI) रामधारी सिंह दिनकर

निर्देशः– (प्रश्न संख्या 8 से 12 (iii) और 13 से 17 (iii) तथा 18 से 20 तक के प्रत्येक उत्तर 30 शब्दों में दें)

प्रश्न 8. मैक्समूलर के अनुसार वास्तविक इतिहास क्या है ? 3

प्रश्न 9. जातिप्रथा भारत में बेरोजगारी का एक प्रमुख और प्रत्यक्ष कारण कैसे बनी हुई है ? 3

प्रश्न 10.बिरजु महाराज पुराने और आज के नर्तकों के मध्य कैसा अंतर पाते हैं ? 3

प्रश्न 11.प्रतीक्षा करते पत्थर से आपको क्या सीख मिलती है ? 3

प्रश्न 12. निम्नांकित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें।

अल्पज्ञ पिता बड़ा दयनीय जीव होता है। मेरी छोटी लडकी ने उस दिन पूछ लिया कि आदमी के नाखून क्यों बढ़ते हैं तो मैं कुछ सोच ही नहीं सका। हर तीसरे दिन नाखून बढ़ जाते हैं, बच्चे कुछ दिन तक अगर उन्हें बढ़ने दें, तो माँ–बाप अक्सर उन्हें डाँटा करते हैं। पर कोई नहीं जानता कि ये अभागे नाखून क्यों इस प्रकार बढा करते हैं। काट दीजिए, वे चुपचाप दंड स्वीकार कर लेंगे, पर निर्लज्ज अपराधी की भाँति फिर छूटते ही सेंध मारने पर हाजिर। आखिर ये इतने बेहया क्यों हैं ?

(i) यह किस पाठ से अवतरित है ? 1

(ii) इसके लेखक कौन हैं ? 1

(iii) गद्यांश का सारांश लिखें ? 3

प्रश्न 13.गुरु की कृपा से किस युक्ति की पहचान होती है ? 3

प्रश्न 14.कवि किसके बीच अंधेरे में रहने की बात करता है ? स्पष्ट करें। 3

प्रश्न 15.कवि अपने आपको जलपात्र और मदिरा क्यों कहा है ? 3

प्रश्न 16.कवि दिनकर के अनुसार खेत–खलिहान में मिलनेवाला देवता कौन है ? 3

प्रश्न 17.निम्नलिखित पद को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें।

अति सूधो सनेह को मारग हैं
जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
तहाँ साँचे चलैं तजि आपनपौ
झुझुकैं कपटी जे निसांक नहीं।।
धन आनँद प्यारे सुजान सुनौ
यहाँ एक तैं दूसरौ आँक नहीं।
तुम कौन धौं पाटी पढ़ै हौ कहौ
मन लेहु पै देहु छटाँक नहीं ।।

(i) यह किस पाठ से अवतरित है ? 1

(ii) इसके कवि कौन हैं ? 1

(iii) इसका सारांश लिखें। 3

प्रश्न 18.मंगु के प्रति माँ और परिवार के अन्य सदस्यों के व्यवहार में फर्क है, उसे अपने शब्दों में लिखें। 3

प्रश्न 19.पाप्पति कौन थी, उसे शहर क्यों लाई गई थी ? 3

प्रश्न 20.सीता का चरित्र–चित्रण करें। 4